खबर संक्षेप

आदिवासी युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मण्डला में विशेष ऋण योजना शुरू

मण्डला। म.प्र. आदिवासी वित्त एवं विकास निगम द्वारा आदिवासी युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से "मनोबल आदिवासी वित्त एवं विकास योजना" संचालित की जा रही है। योजना के तहत जिले में 40 इकाइयों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। चयनित हितग्राहियों को सेवा एवं व्यवसाय कार्यों के लिए 1 लाख रुपये से 25 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। योजना की विशेषता यह है कि बैंक द्वारा स्वीकृत ऋण पर निगम की ओर से 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जाएगा। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है और इच्छुक आवेदक एमपी ऑनलाईन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र samast-mponline.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक का अनुसूचित जनजाति वर्ग का होना आवश्यक है। इसके साथ ही आवेदक कम से कम आठवीं उत्तीर्ण होना चाहिए तथा उसकी आयु 18 से 45 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। आवेदक के पास मूल निवासी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र तथा आधार कार्ड होना अनिवार्य रहेगा। जिन परियोजनाओं की लागत 5 लाख रुपये से अधिक होगी, उनमें सीए की प्रोजेक्ट रिपोर्ट लगाना भी आवश्यक होगा। कार्यालय म.प्र. आदिवासी वित्त एवं विकास निगम, मण्डला द्वारा पात्र युवाओं से आवेदन करने की अपील की गई है, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें।

आदि उत्सव 2026 के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर ने पूरी टीम को दी बधाई

शिकायतों का निराकरण कर ए-ग्रेड में आने के निर्देश

*** समय-सीमा पत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें- कलेक्टर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में सोमवार को जिला योजना भवन में समय-सीमा और विभागीय समन्वय समिति की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने सभी विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित के कार्यों और टीएल पत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। संबंधित अधिकारी स्वयं व्यक्तिगत फॉलोअप कर समय पर जवाब प्रस्तुत करें और जिन प्रकरणों पर कार्रवाई पूरी हो चुकी है, उन्हें तत्काल क्लोज कराएं। शुक्रवार तक सभी टीएल प्रकरणों में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन और फील्ड विजिट पर कड़ा रुख

कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि आगामी 2 दिनों के भीतर सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण कर जिला ए-ग्रेड में आए, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। विशेष रूप से 50 और 500 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण किया जाए।

जिलाधिकारियों के फील्ड विजिट की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि सिर्फ भ्रमण पर जाना काफी नहीं है। मौके पर निरीक्षण कर उसका प्रतिवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। विजिट के दौरान आंगनबाड़ी और स्कूलों का निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए।

1 जून से शुरू होगा ग्राम दिवस कार्यक्रम

ग्रामीणों की समस्याओं के जमीनी स्तर पर समाधान के लिए कलेक्टर श्री धोटे ने बताया कि 1 जून से जिले में ग्राम दिवस कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसमें सभी फील्ड फंक्शनरी अनिवार्य रूप से गांवों में मौजूद रहेंगे और जनसुनवाई कर ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करेंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बलराम तालाब, खेत तालाब और अमृत सरोवर के काम समय पर पूरे करने को कहा गया। साथ ही स्कूल शिक्षा और एमएसएमई विभाग को रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। गेहूं उपार्जन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने परिवहन में गति बढ़ाने तथा खुले में रखे गेहूं के उठाव के लिए मजदूरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए।

विभागीय कार्यों एवं सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने निर्देशित किया कि जनगणना 2027 के प्रारंभिक कार्यों को 20 मई तक शत-प्रतिशत पूर्ण करें। विस्फोटक अधिनियम के तहत सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा जलाशयों में पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण करने के निर्देश दिए।

इसके अलावा एसी ट्राईबल को बैगा आहार अनुदान योजना के अंतर्गत सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने तथा शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए 1 जुलाई से 31 जुलाई तक विकासखंड स्तर पर शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीएम मॉनिट, सीएस मॉनिट, पीडीएस वितरण, कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन, वर्षा पूर्व तैयारी, ड्रॉप आउट बच्चे, पुस्तक वितरण, लखपति दीदी, वृंदावन ग्राम और नरवाई प्रबंधन जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

आदि उत्सव 2026 के सफल आयोजन के लिए टीम को दी बधाई

कलेक्टर श्री धोटे ने आदि उत्सव 2026 के सफल आयोजन के लिए सभी जिला अधिकारियों और कर्मचारियों को हृदय से बधाई दी। उन्होंने कहा अत्यधिक तापमान के बावजूद दो दिवसीय कार्यक्रम में लगातार काम करना आसान नहीं था, लेकिन पूरी टीम ने जिस समर्पण, धैर्य और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया, वह वाक़ई में प्रशंसनीय है। यह सफलता किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरी टीम की मेहनत, आपसी विश्वास और समन्वय का परिणाम है।

बैठक के दौरान जिला योजना भवन में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, डिप्टी कलेक्टर संस्कार बावरिया, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम उपस्थित रहे। इसके साथ ही अन्य अनुविभागों के एसडीएम, तहसीलदार तथा जनपद पंचायतों के सीईओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े।

नगरीय निकाय एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

*** जिला स्टेंडिंग कमेटी की बैठक संपन्न, 15 से 25 मई तक ली जाएंगी दावा-आपत्तियाँ।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्टेंडिंग कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में नगरीय निकाय तथा पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम की रूपरेखा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष प्रस्तुत की गई और इसके विभिन्न तकनीकी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री धोटे ने बताया कि नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों की फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 18 मई को किया गया। मतदाता सूची को त्रुटिहीन और अपडेटेड बनाने के लिए नागरिकों से दावे और आपत्तियाँ आमंत्रित की गई हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री धोटे ने बैठक में जानकारी दी कि मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने, संशोधन करने अथवा किसी भी प्रकार के दावे-आपत्तियां प्रस्तुत करने के लिए 15 मई से 25 मई तक की अवधि निर्धारित की गई है। इस दौरान संबंधित मतदान केंद्रों और निर्धारित स्थलों पर आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। इस दौरान राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि को मतदाता सूची का वितरण भी किया गया। बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र कुमार सिंह, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के अधिकृत पदाधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्मान समागम कार्यक्रम में वीर सैनिक एवं पूर्व एनएसजी कमांडो सुरेंद्र सिंह पहुंचे मंडला

*** हुआ भव्य स्वागत, समाजसेवियों का हुआ सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के कलेक्ट्रेट रोड स्थित झंकार भवन परिसर में रविवार को एक भव्य सम्मान समागम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति समाजसेवा और स्वास्थ्य जागरूकता का अनूठा संगम देखने को मिला। इस आयोजन के मुख्य अतिथि 26/11 मुंबई आतंकी हमले के वीर सैनिक एवं पूर्व एनएसजी कमांडो सुरेंद्र सिंह रहे जिनका मंडला आगमन जिलेवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता स्वास्थ्यकर्मी पत्रकार विद्यार्थी तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं भारत माता के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। आयोजन स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया था तथा मंच पर उपस्थित अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक हिन्दू जागरण मंच प्रांत संगठन मंत्री अम्मा लाल पटैल, वैदिक गुरुकुल के आचार्य भीमदेव जी, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती ज्योति जायसवाल, समाजसेवी डॉ. समीर साहू, अधिमान्य पत्रकार नीरज अग्रवाल, भागीरथ सेवा विकास परिषद जिला अध्यक्ष डॉ. अजय वंशकार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और वरिष्ठ नागरिकों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। मुख्य अतिथि सुरेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए केवल सरकारों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक को सामाजिक जिम्मेदारियों को समझते हुए सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की अपील करते हुए कहा कि अनुशासन देशभक्ति और समाजसेवा ही जीवन की वास्तविक पूंजी हैं। उन्होंने 26/11 हमले के दौरान अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में लगे सैनिकों का सम्मान केवल शब्दों से नहीं बल्कि राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाकर किया जाना चाहिए उन्होंने कहा कि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में समाजसेवा की भावना तेजी से विकसित हो रही है जो देश के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है जिले के लोगों की आत्मीयता और सामाजिक जागरूकता की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यहां के लोग सामाजिक सरोकारों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। वही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक हिन्दू जागरण मंच प्रांत संगठन मंत्री अम्मा लाल पटैल ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए धर्म समाज और हिन्दूत्व के लिए हर आदमी को अपने स्तर से काम करना चाहिए।

प्रधानमंत्री जनमन और धरती आबा अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न

मण्डला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में टीएल के पश्चात जिला योजना भवन में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री जनमन योजना और धरती आबा जनभागीदारी अभियान के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जनजातीय कार्य विभाग के क्षेत्रीय संयोजक श्री विष्णु सिंगौर द्वारा एक विस्तृत प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन और हितग्राहियों को सीधा लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से आगामी 18 मई से 25 मई तक विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन अभियानों के तहत कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें और 18 से 25 मई तक आयोजित होने वाले शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें, ताकि जनजातीय क्षेत्रों में अंतिम छोर के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचाया जा सके।

भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारम्भ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत मंडला में दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का शुभारम्भ किंगफिशर होटल में किया गया। यह प्रशिक्षण वर्ग 18 व 19 मई आयोजित किया जा रहा है जिसमें जिलेभर से आए लगभग 130 अपेक्षित कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी सहभागिता कर रहे हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण, तिलक वंदन एवं पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया गया तथा सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया गया। वहीं उद्घाटन सत्र के दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा के कार्यकाल की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। कार्यक्रम की प्रस्तावना भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा द्वारा प्रस्तुत की गई जिसमें उन्होंने प्रशिक्षण वर्ग की आवश्यकता, उद्देश्य एवं संगठन में उसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र एवं प्रथम सत्र में छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी साहू ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियां विषय पर उद्बोधन देते हुए मध्यप्रदेश सरकार की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं, विकास कार्यों एवं गरीब, किसान, महिला और युवाओं के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी। वहीं द्वितीय सत्र में कटनी के पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव नेहमारा सैद्धांतिक प्रतिष्ठान विषय पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। तृतीय सत्र में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष कटनी पीतांबर टोपनानी ने हमारी कार्य पद्धति विषय पर संबोधित किया। चतुर्थ सत्र में डिंडौरी जिले के पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष संजय साहू ने हमारा विचार परिवार विषय पर अपने विचार रखे। पंचम सत्र में मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कार्यकर्ता विकास एवं अपेक्षाएं विषय पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया। छठवें सत्र में अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह टेकाम ने हमारा इतिहास एवं विकास विषय पर कार्यकर्ताओं को जानकारी दी। सातवें एवं अंतिम सत्र में रतन ठाकुर ने कार्य विस्तार विषय पर उद्बोधन देते हुए संगठन विस्तार नए कार्यकर्ताओं को जोडने एवं बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन राजेश कस्तूरचंद जैन एवं नरेश चंद्रोल द्वारा किया गया। प्रशिक्षण वर्ग के प्रभारी एवं डिंडौरी के पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष नरेंद्र राजपूत ने प्रशिक्षण अभियान का मार्गदर्शन किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके, मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष बालकृष्ण खंडेलवाल, रोचीराम गुरवानी, रतनसिंह ठाकुर, विजेंद्र सिंह कोकडिया, पूर्व मंत्री देव सिंह सैयाम, पूर्व विधायक पंडित सिंह धुर्वे, पूर्व विधायक शिवराज शाह, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज मरकाम, डॉ. विजय आनंद मरावी सहित जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी जनप्रतिनिधि एवं अपेक्षित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मैकल कप 2026 | **मंडला में 15 दिवसीय भव्य क्रिकेट समर कैंप।**

फाइन चैलेंजर ने जीता फाइनल मुकाबला

*** नर्मदा सनराईजर्स को हराकर बने विजेता।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिला क्रिकेट संघ (DCA) एवं मैकल क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए 1 मई से 15 दिवसीय क्रिकेट समर कैंप सम्पन्न हुआ ।साथ ही एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट मैकल कप 2026 का शुभारंभ 9 मई से स्टेडियम ग्राउंड मंडला हुआ जिसका फाइनल मुकाबला नर्मदा सनराइजर्स और फाइन चैलेंजर के मध्य सुबह 8 बजे से प्रारंभ हुआ जिसे फाइन चैलेंजर ने दो विकेट से जीत लिया।

विदित हो कि टूर्नामेंट में तीन टीम शामिल थी जो लीग मैच खेल रही थी। जिसमें तीनों टीम ने दो दो मैच जीता किंतु रन रेट के आधार पर दो टीम ने फाइनल में जगह बनाई थी। 17 मई को हुए फाइनल मुकाबले में नर्मदा सनराइजर्स ने 239 रन बनाए जिसमें कप्तान युवराज यादव ने 102 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए फाइन चैलेंजर ने 45 ओवर में 240 रन बनाकर मैच जीत लिया जिसमें भावेश ने 117 रनो की पारी खेली।

शाम 5 बजे महात्मा गांधी मैदान में नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कच्छवाहा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव वर्मा, वरिष्ठ जन डाक्टर दिलीप शर्मा,अनिल सोनी, सुनील उपाध्याय, शुचि उपाध्याय एवं संस्था के अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी की उपस्थिति में प्रतिभावान खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए उभरते खिलाड़ियों को अनुशासित रहने की सलाह दी। एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट में मेकल कप विजेता फाइन चैलेंजर एवं उप विजेता नर्मदा सनराइजर्स को ट्राफी प्रदान की गई वहीं प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट बसत ठाकुर, बेस्ट बल्लेबाज युवराज यादव, बेस्ट बॉलर तेजस पटेल, बेस्ट फिल्डर नयन घोषित हुए जिन्हें अतिथियों ने सम्मानित किया। कैंप एवं मैच के दौरान चयन समिति के सदस्य इम्तियाज अली,पंकज दुबे, अर्जुन भांडे जी,अक्षय चंद्रोल, श्री फैजान एवं प्रशिक्षक बसंत ठाकुर, सत्यम बर्मन, युवराज यादव, मोहित बर्मन, शैलेन्द्र सहित पत्रकार जावेद अली, श्री सिकंदर, प्रशांत पटेल, सत्यप्रकाश दुबे सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन निशांत झा ने किया है।

खबर संक्षेप

सहावन गांव में हुआ कृषि रथ का आगमन

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। सरकार द्वारा क्षेत्र के किसानों को कृषक जगत से जुडी हुई जरूरी जानकारियों से अवगत कराने के लिये आये दिन अनेक प्रकार की प्रक्रियो के माध्यम से जागरूक किया जाता है। इसी प्रकार से गांव गांव कृषि रथों में माध्यम से इस समय भी किसानों को जरूरी जानकारियों से अवगत कराया जा रहा है। इसी के चलते बीते हुये दिवस ग्राम साहवन में किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कृषि रथ का आगमन हुआ। इस दौरान श्रीमती राधाबाई अहिरवार जनपद अध्यक्ष विकास खड़ चीचली द्वारा रथ को हरी झंडी देकर रवाना किया गया। इस रथ में ग्राम की सम्मानित कृषक एवं क्षेत्र कृषि विस्तार अधिकारी कुंदन सिंह मंडलोई, विकास वर्मा, राजेश कुमार साहू उपस्थित रहे। कृषि रथ यात्रा के दौरान किसानों को e टोकन प्रणाली से खाद वितरण, प्राकृतिक खेती, मिट्टी परीक्षण, संतुलित उर्वरक का उपयोग, पराली प्रबंधन आदि जानकारिया दी गई।

महिला को पत्थर मारकर चोट पहुंचाई

सांईखेड़ा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है किवह अपने मायके ग्राम संसारखेड़ा जबारे बिसर्जन में शामिल होने के लिये गई हुई थी। गांव की अन्य महिलाओं के साथ खेरापति मंदिर के पास बैठकर जब भजन गा रही थी उसी दौश्रान गांव को रजनीश ठाकुर आया और बोला की यह मेरी माता है यहां पर भजन क्यों गा रही हो। इस बात को लेकर जब प्रार्थिया द्वारा उसे समझाने का प्रयास किया तो आरोपी द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये जमीन पर से पत्थर उठाते हुये महिला के सिर में मारते हुये चोट पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थिया की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

उधारी के पैसा चुकता करने की मारपीट

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम बोदरी निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मै मजदूरी का काम करती हूँ और मेरा पति बाजा बजानें का काम करता है। बीते हुये दिवस की बात है जब मेरे पति भगवानदास वंशकार नें मेरे घर की बकरी 5000/-रुपये में बेची थी। वही प्रार्थिया द्वारा अपनी रिस्तेदार पूजा बाई वंशकार से पहले लिये हुये उधारी के पैसा देने लगी तो इसी बात को लेकर प्रार्थिया के पति द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये डंडे से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थिया की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

जमीन की बात को लेकर हुई मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम पचामा निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि हमारा और गांव की किरण लोधी का खेत आस पास है। उस खेत की करीब एक महिना पहले राजस्व विभाग से नाप कराई गई थी जिसमें लगभग 19 डिस्मिल जगह प्रार्थिया के पति रामफल के हिस्से मे आने पर प्रार्थिया व उसका पति रामफल व लडका नितिन ट्रेक्टर चलवाकर सफाई कर रहे थे । तभी किरन लोधी आई और बोली की इस जमीन पर किसानी मत करना इसमें हम स्टे लेंगे और वह वहाँ से चली गई। इसके कुछ देर बाद उसके रिस्तेदार अंशुल लोधी, उमराव लोधी एवं रीतेश लोधी निवासी ग्राम पचामा प्रार्थिया के खेत पर आये और गंदी गंदी गालिया देने लगे। जब प्रार्थिया व उसके पति द्वारा गाली देने से मना किया तो सभी ने एक राय होकर लाठी डंडो से मारपीट करते हुये प्रार्थिया सहित उसके पति व बेटे के साथ मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई।

पर्यावरण के साथ हो रही खिलबाड का परिणाम है कि हर वर्ष तापमान में देखने मिल रही है बढ़ोत्तरी, जल स्तर गिरने से गर्मी आने के पहले सूख जाते है नदी नाले ..

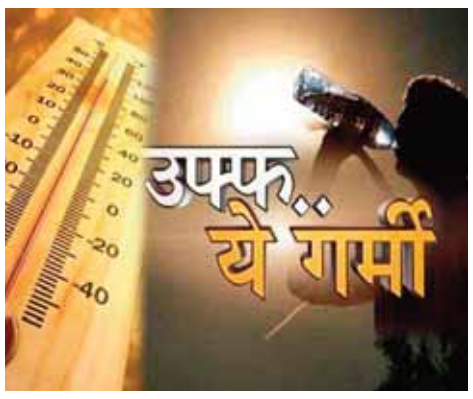

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

लगातार मानव जीवन भौतिकवादी सुख सुविधाओं की ओर दौड़ रहा है और प्रकृति के साथ हो रही खिलवाड़ का परिणाम है कि आने वाला भविष्य संकटों से भरा होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? क्योंकि पर्यावरण के साथ होने वाली खिलबाड़ के चलते प्रतिवर्ष देखा जा रहा है कि जहां तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है तो वही दूसरी ओर लगातार गिर ररे जमीन के नीचे के जल स्तर के चलते स्थिति इस प्रकार से निर्मित होने लगी है कि गर्मी आने के पहले ही नदी नाले दम तोड़ने से नही चूकते है जिसके चलते वन्य जींव जन्तुओं के साथ साथ मानव पर भी विपरित असर पड़ने से नही चूक रहा है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि मंचों के माध्यम से लोगों को अच्छी बाते कहते हुये जरूर देखा जाता है, मगर यदि वास्तविकता पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा कहे जाने वाली बाते सिर्फ मंचों तक ही सीमित रहने के कारण पृथ्वी पर निवास करने वाला जीवन संकटों से घिरता चला जा रहा है। कहने के लिये तो लोग पर्यावरण की रक्षा के नाम पर पौधा रोपण करते हुये एक पौधा के साथ एक दर्जन लोग अपनी फोटो निकलवा कर अखबारों की सुर्खियों में छाने की कोई कसर नही छोड़ते है। मगर शायद ही कभी किसी व्यक्ति द्वारा जिस पौधा को रोपते हुये फोटो निकलवायी गई थी उस पौधा की खबर लेने का प्रयास किया गया हो कि आखिर कार उनके द्वारा रौपा गया पौधा बचा ही कि सूख गया? इस प्रकार से देखा जावे तो जहां लोगों द्वारा एक पौधा रोपने के नाम पर निश्चित ही वाही वाही लूटी जाती है। मगर जिस प्रकार से लगातार हरे भरे वृक्षों की कटाई हो रही है उसे रोकने के लिये किसी के द्वारा प्रयास नही किया जाते है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो किसी पेड़ को कटने से रोकने में सफल हो जाना पचास पौधा रोपने से बड़ा कार्य माना जा सकता है। मगर इस सच्चाई को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि जहां लगातार जंगलों की धडल्ले से अवैध कटाई होती चली जा रही है और हर वर्ष बारिश के मौसम में हमें अच्छी बरसात देखने से बंचित रहना पड़ रहा है। क्षेत्र में अच्छी बारिश नही होने के कारण ही लगातार नदी नाले जहां गर्मी का मौसम आने के पहले सूख जाते है। पहले देखा जाता था कि जब चार माह बारिश चलती थी तो गांवों के नदी नालों में बारह माह पानी भरा रहने से संपूर्ण जींव जन्तु गर्मी के मौसम में उन नदियों से पानी पीते हुये अपनी प्यासे बुझाते थें। मगर अब पर्यावरण से हो रही खिलवाड़ के चलते जहां हर वर्ष बारिश के क्रम में कमी देखने मिल रही है वही दूसरी ओर तामपमान में प्रतिवर्ष बढ़ोत्तरी होने के कारण मानव जीवन के साथ साथ जंगली जानवरों की जिन्दगी भी खतरे में पड़ने से नही बच पा रही है? इतना ही नही यदि नदियों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो लोगों द्वारा नर्मदा नदी सहित क्षेत्र के अन्य नदियों में किये जाने वाले रेत के खनन का परिणाम है कि जहां नदियों में पानी की समस्या पैदा होने लगी है वही दूसरी ओर नर्मदा नदी की धाराएं भी समटने से नही चूक रही है? वही गांवों में देखा जावे तो नदी नालों की स्थिति इस प्रकार से बनते हुये देखी जाती है कि गर्मी का मौसम तो दूर ठंड के मौसम में ही नदी नाले कचरा घर के रूप में दिखाई देने से नही चूक रहे है। नदी नालों में होने वाले अवैध खनन व अमूल्य माने जाने वाले जल के दोहन के चलते जमीन के नीचे के जल स्तर में प्रतिवर्ष गिरावट आने के चलते आने वाला भविष्य निश्चित ही संकटों भरा होने से नही चूकेगा? यदि लोग इस प्रकार से लगातार हो रही पर्यावरण के साथ खिलवाड़ को नजर अंदाज किया जाता रहा तो हमे अनेक प्रकार के संकटों से जूझने के लिये मजबूर होना पड़ेगा। इस प्रकार से लगातार बिगड़ रहे पर्यावरण की सच्चाई को लेकर जब क्षेत्र के युवाओं से चर्चा की गई तो उनके द्वारा पर्यावरण के साथ हो रही खिलबाड़ को लेकर ग्राम बासखेड़ा निवासी युवा समाज सेवी महेश पटैल का कहना है कि जिस प्रकार से हर वर्ष तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है वह निश्चित ही भविष्य के

नगर के रहवासी क्षेत्र से लेकर कालोनियों में धड़ल्ले खुल रही कबाड़ दुकाने, क्या किसी बड़े हादसे के बाद खुलेगी प्रशासन की नींद..?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

इस समय नगर में जहां तहां फैली हुई कबाड़ की दुकानों की सच्चाई किसी से छिपी नही है जिन पर जहां खुलेआम चोरी का समान खरीदने के साथ साथ अन्य सच्चाई आये दिन पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही में सामने आती जा रही है...? क्योंकि कबाड़ के कारोबार के चलते जहां कबाड़ी चंद दिनों में लखपति बनने की सोच का परिणाम है कि यह कारोबार शहरों के साथ साथ अब गांवों में फैलता जा रहा है और इन कबाड़ दुकानों पर प्रकार की सामग्री खरीदी जाती है उसको पुलिस प्रशासन से लेकर क्षेत्र की आम जनता भी अच्छे से जान चुकी है? मगर हैरत की बात है कि नगर के अंदर जहां तहां संचालित होने वाली इन कबाड़ दुकानों के चलते नगर के साथ साथ आस पास निवास करने वालो लोगों की जिन्दगी के लिए खुलेआम खतरे की घंटी बजते हुए देखी जा रही है? नगर में संचालित होने वाली इन कबाड़ दुकानों की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो रहवासी क्षेत्र के साथ साथ अब आये दिन कुलियों से लेकर कालोनियों में तक स्थापित होने से नही चूक रही है..? मगर

इसके बाद भी प्रशासन की चुप्पी जहां सबालों को जन्म देने से नही चूक रही है। वही लोगों का कहना है कि क्या किसी बडे हादसे के बाद ही प्रशासन की नींद्रा भंग होगी..? बताया जाता है कि इन दुकानों पर कबाड़ के रूप में खरीदा गया प्लास्टिक की सामग्री इस प्रकार से होती है कि यदि उसमें जरा सी आग लग जावे तो उसे काबू में कर पाना मुश्किल ही नही बल्कि नामुकिन हो सकता है जिसके कारण कबाड़ दुकान के साथ साथ यह आग संपूर्ण क्षेत्र को अपने आकोश में लेने चंद मिनिट ही काफी हो सकते है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुए कुछ वर्ष पहले उस समय देखने मिल चुकी है जब नगर के वायपास मार्ग व पेट्रोल पंप के पीछे संचालित होने वाले एक कबाड़ दुकान में देखा गया था। जब रात के समय अचानक आग लग जाने के कारण चंद मिनिट में ही आग ने अपना विकराल रूप ले लिया गया था। वह तो अच्छा यह हुआ की इस आग पर तुरंत काबू पा लिया गया नही तो पता नही नगर में क्या स्थिति निर्मित हो जाती इसकी कल्पना करना भी मुश्किल होने से नही चूक पाता है। क्योंकि जहां इस घटना स्थल से पेट्रोल पंपों की दूरी चंद कदम पर थी वही यह संपूर्ण क्षेत्र रहवासी माना जाता है जिसके चलते लोगों की जान पूर्णरूप से खतरे में नजर आने लगी थी? इस घटना को देखते हुए लोगों का कहना है कि इस प्रकार से नगर के अंदर रहवासी क्षेत्रों सहित स्कूलो व अन्य रहवासी क्षेत्रों में संचालित हो रही है जिसके चलते वहां पर रहने वाले लोगों को खुलेआम खतरे की घंटी बजाते हुए जान पड़ रही है। इस प्रकार से नगर के अंदर जहां तहां रहवासी क्षेत्रों में कबाड़ खानों की भरमार देखी जा रही है जहां पर कबाड़ के रूप में एकत्र किये गये प्लास्टिक सामग्री का अम्बार लगा हुआ है जिसके चलते लोगों की जान खतरे से खाली नही देखी जा रही है? आमजन द्वारा शासन प्रशासन से मांग करते हुए कहा गया है कि इस प्रकार से संचालित होने वाले कबाड़ खानों को शहर के बाहर खुले मैदान में संचालित करने के आदेश जारी किये जावे जिससे लोगों की जान खतरे से बाहर आ सके..? यदि समय रहते प्रशासन द्वारा इस प्रकार के कबाड़ खानों पर ध्यान नही दिया गया तो किसी दिन बड़ी घटना घटित होने से इंकार नही किया जा सकता है?

शहर से लेकर गांव गांव बैंक तो खोली जा रही हैं, लेकिन ग्राहकों को सुविधायें उपलब्ध न होने से परेशानी

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि शहरों से लेकर गांव गांव आये दिन अनेक बैको द्वारा अपनी शाखाये तो खोली जा रही है। मगर ग्राहकों के लिये जो सुविधाये उपलब्ध होना चाहिये वह कोसो दूर तक गायब रहने से आये दिन बैक उपभोक्ताओं को परेशान होते हुये देखा जाना निश्चित तौर से बैकों की मनमानी का प्रमाण उजागर होने से नही चूक पा रहा है..? वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो बैको द्वारा अपने उपभोक्ताओं के लिए जिस प्रकार से योजनाएं चलाई जाती है उनका लाभ किस स्थिति में उनको मिल पाता है यह बात किसी से छिपी नही है..? यदि बैक की व्यवस्थाओं पर गौर किया जावे तो किसी भी उपभोक्ता का कार्य बगैर दलाल के माध्यम से हो पाना संभव होता हुआ नही देखा जाता है? जिसके चलते आये दिन क्षेत्र के लोगों को बैक के चक्कर लगाते हुए आसानी से देखा जा सकता है? इस संबंध में बताया जाता है कि शासन द्वारा बैकों के माध्यम से किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी जब तक किसानों तक पहुंचती है तब तक या तो योजनाएं बंद हो जाती है या फिर अपने लक्ष्य को पूरा कर लेती है। इतना ही नही यदि क्षेत्र के लोगों को बैक संबंधी में योजना का लाभ लेने का मौका मिल भी जाता है तो बैकों में बैठे अधिकारियों द्वारा उनसे सीधे मुंह बाते नही करते है जिसके चलते मजबूरी बस क्षेत्र के लोगों को बैकों द्वारा नियुक्त किये गये तथा कथित दलालों के पास पहुंचने मजबूर हो जाता है जिसके चलते बैकों द्वारा इन दलालों से फिक्स किये गये अपने प्रतिशत के बाद ही किसान इस प्रकार से सरकार द्वारा चलाई जा रही जन हितैषी योजनाओं का लाभ लेते हुए देखे जा रहे ह? इतना ही नही अक्सर देखा जाता है कि बैकों द्वारा अपने ग्राहको को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान नही किये जाने के कारण या

तो ग्राहक रोड पर खड़े होकर बैकों में अपनी कार्य पूर्ण करने का इंतजार करते रहते है? जिसके कारण उनकी जान को पूर्णरूप से खतरा जान पड़ता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय कौड़िया इलाहाबाद बैक में देखने मिल रही है? बताया जाता है कि यह बैक कौड़िया में उस जगह पर स्थित है जहां पर राज्यीय राज मार्ग निकला होने के कारण जब बैक के सामने अपने उपभोक्ताओं की भीड़ लग जाती है तो पूर्णरूप से यातायात प्रभावित होने लगता है, आये दिन देखा जाता है कि बैक द्वारा अपने ग्राहकों के वाहनों का खड़ा करने के लिए कोई उचित व्यवस्था नही किये जाने के कारण बैक पहुंचने वाले उपभोक्ताओं द्वारा अपने वाहन मुख्य रोड के किनारे खड़े कर देते है जिसके चलते यातायात व्यवस्था बांधित तो होती ही है साथ ही साथ बैक उपभोक्ताओं की जान को भी खतरा बन जाता है? क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि समय रहते हुए बैक द्वारा अपने उपभोक्ताओं के वाहनों को खड़ा करने के लिए कोई उचित व्यवस्था नही की गई तो निश्चित तौर से किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने से इंकार नही किया जा सकता है।

भीषण गर्मी के दौरान अघोषित बिजली कटौती ने छिना आमजन का अमन व चेन

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। भले ही केन्द्र से लेकर प्रदेश में बैठी हुई सरकारों द्वारा अपने आपकों किसान हितैषी बताते हुये किसानों की मदद के लिये खड़े रहने का वादा किया जाता रहे मगर इस समय किसान जिस मुश्बित से परेशान होते हुये देखा जा रहा है उस और न तो सरकार द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही क्षेत्र के जिम्मेदार माने जाने वाले जन प्रतिनिधियों के द्वारा जिसका परिणाम है कि किसानों को अपने खेतों में लगाई गई मूंग सहित गन्ना फसल की सिंचाई करने के लिये बिजली ही नही मिल पा रही है तो दूसरी ओर भीषण कर्मी के दौरान हो रही अघोषित बिजली के कटौती के कारण आमजन का अमन चेन छिनते हुये जान पड़ रहा है। कहने के लिये तो सरकार द्वारा किसानों को सिंचाई हेतु 10 घंटे व आम

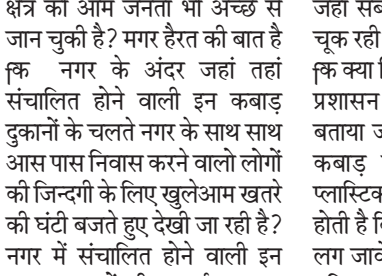

लोगों के लिये 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया गया है और आये दिन क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रम के दौरान सत्ता पार्टी से जुडे हुये नेता किसानों को सिंचाई हेतु पर्याप्त बिजली देने का डिंडोरा पीटते हुये देखे जाते है। मगर इन दिनों बिजली क अभाव में किसानों के खेतों की क्या हालत हो रही है इस ओर न तो बिजली विभाग के अधिकारी ध्यान दे रहे है और नही क्षेत्र के जन प्रतिनिधि जिसके चलते क्षेत्र के किसानों द्वारा बड़ी उम्मीदों के साथ अपने खेतों में मूंग फसल बोई गई थी मगर बिजली नही मिलने से सिंचाई के आभाव में सूखते हुये दिखाई देने लगी है। इस तरह सालीचौका क्षेत्र में किसानों को सिंचाई के लिये निर्धारित समय 10 घंटे में से मुश्किलों के बीच 2 से 3 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। वही दूसरी ओर ग्रामीणों को उपयोग हेतु 24 घंटे उपलब्ध रहने वाले अटल ज्योति योजना की बिजली का हाल तो इस तरह देखा जा रहा है कि उसका बोल्टेज कास रोना तो आम बात बनी ही रहती है और दिन रात में कई घंटे तक कटी रहने के कारण लोग गर्मी के दिनों में सुख चेन के साथ सो तक नही पा रहे है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि इस तरह बिजली विभाग की चल रही मनमानी की ओर क्षेत्र की सत्ताधारी पार्टी से लेकर विपक्ष पार्टी भी जिस प्रकार मौन साधे हुये किसानों की बर्बादी का नजारा देखने में लगी हुई है वह निश्चित तौर से चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है।

गांव गांव बिक रहे मादक पदार्थो के चलते, बर्बादी की कगार पर पहुंच रही युवा पीढ़ी

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। नशे से सामाजिक माहौल विकृत हो रहा है, शराब की सेवन की जुंग में विवादों की घटनाएँ सामने आ रही है, क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि नशा परिवारों में कलह का कारण बन रहा है, शहर और क्षेत्र की युवापीढ़ी तेजी से इस नशे की गिरप्त में आकर अपना भविष्य बर्बाद कर रही है। यह बात अलग है कि पुलिस प्रशासन द्वारा आये दिन नशा मुक्ति की रैली निकालते हुए लोगों को नशें से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। मगर सही मायने में देखा जावे तो पुलिस द्वारा किये जाने वाली यह पहल मात्र औपचारिकता के आलवा और कुछ जान नही पड़ रही है। अक्सर देखा जाता है कि मंचों से अधिकारियों से लेकर समाज सेवी संस्थाओं द्वारा नशामुक्ति दिवसों पर बड़े बडे भाषण देते हुए नशा से दूर रहने की बात कही जाती है। मगर वही दूसरी ओर गौर करने वाली बात तो यह है कि आज शहर से लेकर गांवों में भी अवैध रूप से जिस प्रकार शराब की बिक्री हो रही है तो दूसरी ओर गांजा भी गांवों में आसानी से उपलब्ध हो रहा है जो चिंता का विषय होने के साथ साथ पुलिस प्रशासन की उदासीनता का परिणाम है? क्योंकि क्षेत्र के अनेक गांवो में खुलेआम अवैध शराब के अलावा गॉजा, महँगी सिगरोटो, मस्ताना मुनक्का, नशीले ड्रग्स व गांव गांव बिक रहे अवैध शराब के सेवन का शौक युवाओं में बढ़ता जा रहा है? उक्त नशीले मादक पदार्थो

के आगे मदिरा महारानी शीश झुका रही है? इस स्थिति में पुलिस या अन्य एन.जी.ओ. द्वारा समय समय पर चलाये नशा मुक्ति अभियान बेअसर सबित हो रहे है? यदि नशे की सच्चाई पर गौर कि जावे तो शहर से लेकर गांवों में शाम से देर रात युवाओं के डगमग कदमो का नजारा देख क्षेत्रवासियों को अब अहसास होने लगा है कि नशा विरोधी बातावरण मंचो से शायराने अंदाज में भाषण देने से नही कुछ होगा बल्कि इसके लिए कारो में नही गलियो में पैदल घूमकर जनसेवा का झंडा उठाने वालो को युवाओं को जागरूक करते हुए इस तरह की लगातार नसीहत देना होगी जिससे नशे का उन पर सवार जिन्न पूरी तरह भाग जाए। मगर अवैध मदाक पदार्थो की बिक्री पर अंकुश लगाने में जिस प्रकार से पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों का रवैया स्पष्ट होते हुए जान पड़ रहा है वह चिंता जनक बनने से नही चूक रहा है...? सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार क्षेत्र के अनेक गांवों में जिस प्रकार से गांजा सहित अन्य मादक पदार्थों की बिक्री हो रही है यह बात किसी से छिपी नही है..? वही इस प्रकार से अवैधानिक रूप से मदाक पदार्थो की बिक्री करने वालों का नगर में पदस्थ पेहरेदारों के याराना संबंध होना जहां चर्चा का विषय बन चुके है..? वही दूसरी ओर इस प्रकार के मादक पदार्थों की बिक्री के चलते युवाओं की जिन्दगी पूर्ण रूप से बर्बादी की कगार पर पहुंच रही है। इस संबंध में जब हमारी हरिभूमि टीम से नशा मुक्ति की सतही कोशिशो के बारे में चर्चा करते हुए लोगों का कहना है कि शासन प्रशासन के साथ साथ विभिन्न एन जी ओ द्वारा समय समय पर चलाऐ गये नशा मुक्ति अभियान मंचो के सहारे चलाने का कोई नतीजा नही निकलता है? मंचो से तो सिर्फ नशे के चलन पर चिन्ता प्रकट कर उपदेश दिए जा सकते है, इससे नशा छोड़ने के बारे में युवा पीढ़ी में सीधा संदेश नही जाता, नशा मुक्ति के लिए जमीनी स्तर पर प्रयास किए जाने जरूरी है, क्योकि जब तक गांव गांव बिकने वाली अवैध शराब पर पुलिस रोक नही लगाती है तो इस प्रकार से नशामुक्ति अभियानों का कोई महत्तव नही है?

सर्वर डाऊन रहने से परेशान हो रही लोग, शासन की सुविधा बन रही दुविधा

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। सरकार द्वारा भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की सोच के चलते अब सभी प्रकार के शासकीय कार्यो को आन लाइन व्यवस्था से जोड़े जा रहे है। मगर ग्रामीण क्षेत्रों में यह व्यवस्था आम लोगों के लिए सुविधा की जगह दुविधा बनने में कोई कसर नही छोड़ रही है? बताया जाता है कि इस समय जहां किसानों के अनाज खरीद कार्य करने के लिए सरकार द्वार चलाई जा रही अनेक योजना से लेकर छात्र छात्राओं के लिये अनेक प्रतियोगिता परीक्षाओं में भाग लेने के लिये पंजीयन व फार्म भरने का कार्य चल रहे है। वही सेवा सहकारी समितियों में अपने उपभोक्ताओं के लिए खाद्यान्न वितरण कार्य भी मशीनों के माध्यम से किया जा रहा है। जिसके चलते देखा जा रहा है कि सेवा सहकारी समितियों में प्रतिदिन अपना रजि. कराने वाली किसानों की भीड़ लग रही हैं। मगर यहां पर आये दिन सर्वर डाऊन होने के कारण किसानों के रजि. नही हो पाने की स्थिति में उन्हें खाली हाथ अपने घरों को लौटने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है...?

खबर संक्षेप

जिला प्रशासन अनूपपुर ने दिखाई तत्परता एवं संवेदनशीलता

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुश्री सरिता नायक के निर्देशन में विकासखंड शिक्षा अधिकारी पुष्पराजगढ़ सतीश तिवारी द्वारा संवेदनशील एवं त्वरित प्रशासनिक कार्यवाही करते हुए दिवंगत शिक्षक रमेश सिंह धुर्वे के परिजनों को एक ही दिवस में 5 लाख रुपए बीमा राशि तथा 1 लाख 25 हजार रुपए अनुग्रह सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। गौरतलब है कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दमेहड़ी में पदस्थ उच्च माध्यमिक शिक्षक एवं संकुल दमेहड़ी के पूर्व प्रभारी प्राचार्य रमेश सिंह धुर्वे का लंबी बीमारी के उपरांत 14 मई को निधन हो गया। सूचना प्राप्त होते ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी सतीश तिवारी द्वारा उनके गृह ग्राम घुईदादर पहुंचकर अंतिम संस्कार में सहभागिता की गई तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना प्रदान करते हुए आवश्यक सहयोग का भरोसा दिलाया गया। इसके उपरांत विभागीय प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराते हुए मात्र 12 घंटे के भीतर 5 लाख रुपए बीमा राशि एवं 1 लाख 25 हजार रुपए अनुग्रह सहायता राशि नामिनी के खाते में अंतरित कराई गई। प्रशासन की इस त्वरित एवं मानवीय पहल को शिक्षा विभाग तथा क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा सराहनीय बताया।

प्रियंक कानूनगो 01 जून को जिले के भ्रमण पर रहेंगे

अनूपपुर। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, नई दिल्ली के सदस्य प्रियंक कानूनगो 01 जून को प्रातः 10 बजे से अनूपपुर जिले का भ्रमण करेंगे। इस प्रवास का मुख्य उद्देश्य मानव अधिकार, समावेशी विकास, कल्याणकारी योजनाओं और विभिन्न अधिनियमों के जमीनी क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा करना है। आयोग के सदस्य के सुचारू समन्वय, बैठक एवं स्थल निरीक्षण हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत के.के. सोनी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग विनोद परस्ते को नोडल अधिकारी बनाया है। साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई है।

सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए नामांकन 30 सितंबर तक आमंत्रित

अनूपपुर। सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए नामांकन 30 सितंबर तक किए जा सकते हैं। विजेताओं की घोषणा 23 जनवरी 2027 को की जाएगी। सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार का उद्देश्य रोकथाम, शमन, तैयारी, बचाव, प्रतिक्रिया, राहत, पुनर्वास, अनुसंधान, नवाचार और पूर्व चेतावनी जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता को सम्मानित करना है। इस पुरस्कार में एक प्रशस्ति पत्र और पदक तथा संस्थानों के लिए एक प्रशस्ति पत्र और पट्टिका शामिल है। पुरस्कार के लिए आवेदन पद पर राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा किए जा सकते हैं।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े परिसर को घोषित किया गया प्रतिबंधित क्षेत्र

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा जिला अनूपपुर में आयोजित होने वाले शौर्य संकल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम को सुरक्षित और सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट हर्षल पंचोली ने 15 मई से आगामी 45 दिनों तक की अवधि के लिए प्रशिक्षण से जुड़े समस्त परिसरों को भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा-163 के अंतर्गत प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया है। इस 45 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान शासकीय अनुसूचित जाति जूनियर बालक अनूपपुर एवं शासकीय अनुसूचित जाति जूनियर बालिका छात्रावास अनूपपुर में छात्र-छात्राओं के रहने की व्यवस्था की गई है, जबकि डाइट भवन में मुख्य प्रशिक्षण और उससे लगे मैदान में शारीरिक प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने के लिए इस पूरी अवधि में इन परिसरों के भीतर केवल शासकीय कार्य में तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों और पुलिस बल को ही प्रवेश की अनुमति रहेगी।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक संपन्न, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

डिंडौरी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को समय-सीमा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं, विकास कार्यों और जनहित से जुड़े प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए।बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। जिन विभागों द्वारा सीएम हेल्पलाइन प्रकरण अटेंड नहीं किए गए हैं, उन्हें नोटिस जारी करने तथा बार-बार शिकायत आने वाले विभागों के अधिकारियों पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई।विकासखंड अमरपुर के जनपद पंचायत मैदान में जनसुनवाई चौपाल आयोजित करने के निर्देश दिए गए, जहां आम जनता की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जाएगा। शिविर सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित होगा, जिसमें विकासखंड स्तरीय अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को आगामी उपार्जन केंद्रों में सामग्री भंडारण की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कहा गया कि खरीदी केंद्रों में ऐसी व्यवस्था हो, जिससे सामग्री जमीन पर न रखी जाए और बरसात के पानी से सुरक्षित रहे।आबकारी विभाग को अवैध रूप से बिक रहे मादक पदार्थों पर रोक लगाने के लिए विकासखंड स्तर पर नियमित जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। वहीं जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को 30 जून तक सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।बैठक में रेन वाटर हार्वेस्टिंग को लेकर भी विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आंगनवाड़ी, विद्यालय, शासकीय भवनों और अपने घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने तथा भू-जल संरक्षण के लिए पाइपलाइन को जमीन के अंदर छोड़ने के निर्देश दिए गए। इसके लिए जियो टैग फोटो कार्यालय में जमा कराने को भी कहा गया।परिवहन विभाग को जिले की सड़कों पर चल रही बसों की नियमित जांच कर बिना परमिट संचालित वाहनों पर चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।बैठक में जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम बजाग भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेंद्र कुमार जाटव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डिंडोरी जिले में पेट्रोल-डीजल संकट गहराया, बजाग के सागर टोला में हंगामा

डिंडोरी

जिले में पेट्रोल और डीजल की किल्लत लगातार बढ़ती जा रही है। जिले के कई पेट्रोल पंप ड्राई हो चुके हैं, जिससे आम लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहपुरा क्षेत्र में जहां सिर्फ एक पंप पर सीमित मात्रा में ईंधन दिया जा रहा है, वहीं बजाग क्षेत्र में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं।बजाग के सागर टोला स्थित पेट्रोल पंप का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में वाहनों में डीजल भरने के बजाय डिब्बों और कंटेनरों में डीजल भरकर दिए जाने का दावा किया जा रहा है। इसे लेकर वाहन मालिकों और स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ गई।बताया जा रहा है कि कई वाहन चालक घंटों लाइन में लगे रहने के बाद भी ईंधन नहीं मिलने से भड़क गए और पेट्रोल पंप पर हंगामा करने लगे। लोगों का आरोप है कि वाहनों को छोड़कर डिब्बों में डीजल दिए जाने से आम उपभोक्ताओं को परेशानी उठानी पड़ रही है।

पेट्रोल-डीजल संकट के कारण परिवहन व्यवस्था, खेती-किसानी और रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द ईंधन सप्लाई सामान्य कराने और पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

जनगणना 2027 के प्रचार-प्रसार हेतु एलईडी जागरूकता रथ रवाना

डिंडौरी। जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के व्यापक प्रचार-प्रसार और जनजागरूकता के उद्देश्य से जनगणना कार्य निर्देशालय मध्यप्रदेश द्वारा एलईडी प्रचार रथ रवाना किया गया। सोमवार को डिंडौरी पहुंचने पर सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने हरी झंडी दिखाकर रथ को जिले के लिए रवाना किया।एलईडी प्रचार रथ जिले के सातों विकासखंडों में भ्रमण कर गांव-गांव पहुंचकर लोगों को जनगणना 2027 से संबंधित जानकारी देगा। रथ के माध्यम से मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना प्रक्रिया से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदर्शित की जाएंगी, ताकि आमजन जनगणना प्रक्रिया को बेहतर तरीके से समझ सकें और उसमें सहभागिता सुनिश्चित कर सकें।कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, पुलिस अधीक्षक आशीष खरे, जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवार, एसडीओपी सतीश द्विवेदी, थाना प्रभारी दुर्गाप्रसाद नगपुरे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नवागत पुलिस अधीक्षक आशीष खरे ने संभाला पदभार

अपराध नियंत्रण और जनविश्वास पर रहेगा फोकस

डिंडौरी।

जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक आशीष खरे ने सोमवार को विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के बाद पुलिस कार्यालय परिसर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा सहित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।पदभार संभालने के बाद पुलिस अधीक्षक ने जिले की पुलिस व्यवस्था, कार्यालयीन कार्यप्रणाली और विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया।

इस दौरान उन्होंने विभाग के सात कर्मचारियों को आरक्षक से प्रधान आरक्षक पद पर पदोन्नति उपरांत वरिष्ठ पदभार ग्रहण कराया। उन्होंने पदोन्नत कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पदोन्नति के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ती हैं और सभी कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करना चाहिए।इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम में जिले के राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों, चौकी प्रभारियों और कार्यालयीन स्टाफ की अपराध समीक्षा एवं परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में लंबित अपराधों, गंभीर प्रकरणों, फरार एवं स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी, संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम तथा अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण को लेकर चर्चा हुई। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना और चौकी प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाने तथा सतर्कता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए अपराधियों पर लगातार निगरानी बनाए रखने को कहा। साथ ही बीट व्यवस्था मजबूत करने, जनसंवाद बढ़ाने और आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं संवेदनशील निराकरण पर विशेष जोर दिया।बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अमित वर्मा, एसडीओपी सतीश द्विवेदी, थाना प्रभारी कोतवाली दुर्गा प्रसाद नगपुरे सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

स्कूल भवन निर्माण में लापरवाही के आरोप, ग्रामीणों ने जांच की मांग उठाई

समनापुर

डिंडोरी जिले के समनापुर क्षेत्र के हायर सेकेंडरी स्कूल सरई में बन रहे अतिरिक्त भवन के निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में लापरवाही और घटिया काम करने के आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन से जांच कराने की मांग की है।करीब 48 लाख रुपये की लागत से बन रहे इस भवन का निर्माण कार्य आरईएस विभाग के माध्यम से कराया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि भवन निर्माण में सही तरीके से काम नहीं किया जा रहा और गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है।ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर शिकायत देते हुए बताया कि भवन के खंभों के लिए कम गहराई तक खुदाई की गई है। साथ ही कई जगहों पर जरूरी सामग्री का उपयोग भी नहीं किया गया। लोगों का कहना है कि इस तरह से किए जा रहे निर्माण से भवन की मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने निर्माण कार्य को लेकर सवाल उठाए तो ठेकेदार ने तुरंत जेसीबी लगाकर मिट्टी और मुरूम डालकर काम को छिपाने की कोशिश की। लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य में पानी का छिड़काव भी ठीक से नहीं किया जा रहा है।गांव के लोगों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से मनमाने तरीके से काम कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है।

बदहाल सड़क को लेकर ग्रामीणों का अल्टीमेटम

निर्माण शुरू नहीं हुआ तो होगा उग्र आंदोलन

डिंडौरी (मेहंदवानी)। जिले के मेहंदवानी विकासखंड अंतर्गत डुंगरिया से राई तक लगभग 14 किलोमीटर लंबी सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर क्षेत्रीय जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है। लंबे समय से निर्माण कार्य प्रारंभ न होने के कारण ग्रामीणों ने अब प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सड़क निर्माण शुरू नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन एवं अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की जाएगी।जनपद पंचायत क्षेत्र क्रमांक-12 की जनपद सदस्य श्रीमती सरोज टेकाम ने इस संबंध में जिला कलेक्टर को स्मरण पत्र सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि डुंगरिया से राई तक सड़क निर्माण कार्य पूर्व में स्वीकृत हो चुका है तथा इसके लिए निविदा क्रमांक 420361 जारी किया गया था, जिसकी तिथि 01 मई 2025 निर्धारित है। इसके बावजूद लगभग एक वर्ष का समय बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित ठेकेदार एवं लोक निर्माण विभाग की लापरवाही और उदासीनता के कारण यह महत्वपूर्ण परियोजना ठप पड़ी हुई है। वर्तमान में सड़क की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। इस मार्ग से गुजरने वाले विद्यार्थियों, मरीजों एवं आम नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि कई स्थानों पर सड़क इतनी खराब हो चुकी है कि वाहनों का निकलना भी जोखिमपूर्ण हो

गया है। इसके कारण दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है और ग्रामीणों को रोजमर्रा के आवागमन में जान जोखिम में डालनी पड़ रही है।इससे पूर्व भी 13 अप्रैल 2026 को इस समस्या को लेकर प्रशासन को आवेदन दिया गया था, लेकिन उस पर अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जिससे क्षेत्रीय जनता में असंतोष और गहरा गया है।जनपद सदस्य ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया तो ग्रामीण डिंडौरी–जबलपुर मुख्य मार्ग पर चक्का जाम करेंगे, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। साथ ही मुख्यमंत्री के संभावित आगमन तक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखने की भी चेतावनी दी गई है।लगातार उपेक्षा के कारण क्षेत्र में विकास कार्यों की गति पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अब वे और अधिक समय तक इस स्थिति को सहन करने के लिए तैयार नहीं हैं और जल्द समाधान नहीं मिलने पर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा।

उत्तर तट पर मुक्तिधाम निर्माण को लेकर सांसद से मिला पेंशनर्स संगठन

डिंडौरी। प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिले में उत्तर तट पर प्रस्तावित मुक्तिधाम निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग को लेकर क्षेत्रीय सांसद से मुलाकात की।संगठन के जिलाध्यक्ष राम गोपाल तिवारी द्वारा जारी संयुक्त प्रेस नोट के अनुसार, महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने सांसद से प्रवास के दौरान भेंट कर लगभग एक वर्ष से लंबित मुक्तिधाम निर्माण के संबंध में विस्तार से चर्चा की।मुलाकात के दौरान सांसद द्वारा तत्काल नगर परिषद के मुख्य अधिकारी से फोन पर चर्चा की गई, जिस पर संबंधित अधिकारी ने आश्वस्त किया कि निर्माण कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि जनभागीदारी योजना के तहत इस निर्माण हेतु संगठन द्वारा लगभग छह माह पूर्व ग्यारह हजार रुपये का योगदान चेक के माध्यम से नगर परिषद को प्रदान किया जा चुका है।संगठन के प्रतिनिधियों ने तत्परता से कार्रवाई के लिए सांसद के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की समीक्षा बैठक आयोजित, किसानों की आय बढ़ाने पर जोर

डिंडौरी। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के जिला एवं राज्य नोडल अधिकारी मनोज पुष्प आईएएस आयुक्त सहकारिता मध्यप्रदेश शासन भोपाल ने जिले की ग्राम पंचायतों में संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया। इसके बाद सोमवार को कलेक्टर सभाकक्ष में उनकी अध्यक्षता में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि विभाग मत्स्य विभाग उद्यानिकी विभाग पशुपालन एवं डेयरी विभाग सहकारिता विभाग एनआरएलएम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।बैठक में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने राज्य नोडल अधिकारी मनोज पुष्प का स्वागत किया। इस दौरान जिले में कृषि क्षेत्र के समग्र विकास कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए वर्ष 2026-27 में आधुनिक कृषि तकनीकों प्राकृतिक खेती जल संरक्षण और नवाचार आधारित गतिविधियों को प्राथमिकता देने पर चर्चा की गई।

योजना के प्रचार-प्रसार के लिए कृषि ब्रांड एम्बेसडर लहरी बाई के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही कृषि मेला सह प्रदर्शनी मिलेट्स व्यंजन प्रदर्शनी श्री अन्न

भोज जैविक हाट बाजार और जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।बैठक में किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती से जोड़ने के लिए मधुमक्खी पालन मसाला क्षेत्र विस्तार तथा दलहन और तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही कोदो-कुटकी उत्पादन के विस्तार केज कल्चर फसल विविधीकरण कृषि उत्पादकता वृद्धि और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने पर भी विशेष जोर दिया गया।जल संरक्षण एवं सिंचित क्षेत्र विस्तार के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करने जल गंगा संवर्धन अभियान को गति देने तथा किसानों को अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक कृषि ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। नीति आयोग द्वारा जिले के तीन विकासखंडों में ग्रामीण विकास और शासकीय योजनाओं से लोगों को जोड़ने के प्रयासों की भी समीक्षा की गई।

बैठक के अंत में नोडल अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी तीन माह में विभागीय योजनाओं के माध्यम से किसान क्रेडिट कार्ड स्व सहायता समूह और पात्र हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभान्वित किया जाए, ताकि ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।बैठक में जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी अपर कलेक्टर जेपी यादव एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा एसडीएम बजाग भारती मेरावी एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक कृषि उपसंचालक संजय जोशी अभिलाषा चौरसिया सहायक आयुक्त सहकारिता डॉ अरुण मसराम जेपी द्विवेदी एनआरएलएम प्रभारी अर्पणा पाण्डेय सहायक संचालक मत्स्य राकेश चंदेल परियोजना संचालक आत्मा आरपीएस नायक एलडीएम रविशंकर उद्यानिकी अधिकारी उद्योग प्रबंधक राधिका कुसरे खाद्य अधिकारी कृष्ण कुमार मरावी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के नोडल अधिकारी ने शहपुरा में किया निरीक्षण

डिंडौरी। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत संचालित गतिविधियों के निरीक्षण हेतु जिला एवं राज्य नोडल अधिकारी तथा आयुक्त सहकारिता मध्यप्रदेश शासन मनोज पुष्प ने सोमवार को शहपुरा विकासखंड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित उपार्जन केंद्र शहपुरा और ग्राम पंचायत इंदौरी, पोस्ट चंदवाही का निरीक्षण कर विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने कवर्ड मल्टीलेयर निर्माण, मछली जलकुंड, तिलहन बीज वितरण, कोदो-कुटकी उपार्जन केंद्र तथा सोख पिट निर्माण कार्यों का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ किसानों को अधिकतम लाभ पहुंचाने पर जोर दिया।

भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत इंदौरी में स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित आजीविका गतिविधियों का भी निरीक्षण किया गया। बाद में सामुदायिक भवन में आयोजित बैठक में समूह की महिलाओं से संवाद कर उनकी आय वृद्धि, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के संबंध में सुझाव दिए गए।बैठक में स्व-सहायता समूह की एक महिला सदस्य ने बताया कि समूह से जुड़ने के बाद उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आया है। उन्होंने समूह से 50 हजार रुपये का ऋण लेकर कवर्ड मल्टी लेयर सब्जी फार्म शुरू किया, जहां विभिन्न प्रकार की सब्जियों की खेती की जा रही है। बाजार में सब्जियां बेचकर उन्हें अच्छी आय प्राप्त हो रही है।मनोज पुष्प ने महिलाओं को शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और महिलाओं की भागीदारी से गांवों में विकास को नई दिशा मिल रही है।इस दौरान जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, कृषि उपसंचालक संजय जोशी, अभिलाषा चौरसिया, सहायक आयुक्त सहकारिता डॉ. अरुण मसराम, जेपी द्विवेदी, एनआरएलएम प्रभारी अर्पणा पाण्डेय, सहायक संचालक मत्स्य राकेश चंदेल, परियोजना संचालक आत्मा आरपीएस नायक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

10

जबलपुर, मंगलवार 19 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

राजेन्द्र नामदेव प्रदेश अध्यक्ष बनें

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस नामदेव समाज विकास परिषद 3315 का प्रांतीय अधिवेशन साधारण आमसभा का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे नामदेव समाज के स्वजातीय बंधुओं ने भाग लिया। और समाज उत्थान की दिशा में विभिन्न विंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष हेतु आम सहमति ना बन पाने के कारण राजेन्द्र नामदेव गाडरवारा और अरुण नामदेव गुना के बीच निर्वाचन प्रक्रिया के तहत मतदान के चलते राजेन्द्र नामदेव गाडरवारा सर्वाधिक मतों से निर्वाचित हुए। सभी स्वजातीय बंधुओं ने अपनी अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए समाज उत्थान की दिशा में मिलकर काम करने की बात रखी है।

कलेक्टर ने ली स्टैडिंग कमेटी की बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार 18 मई 2026 को सम्पन्न हुई। बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों एवं नगरीय निकायों के पार्षदगण तथा अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से मतदाता सूची शुद्ध व त्रुटिरहित करने की अपील की। उन्होंने बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों को आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से भी अवगत कराया। जिले में मतदाता सूची के पर्यवेक्षण के लिए राज्य निर्वाचन आयोग से आ रहे प्रेक्षक के संबंध में भी चर्चा की गई जो कि 22 मई 2026 से 26 मई 2026 तक जिले के भ्रमण पर रहेंगे।

35 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सेंट-आरसेटी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में महिला ब्यूटी पार्लर का 35 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण 14 मई 2026 तक आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में 31 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण समापन अवसर पर असेसमेंट ऑफिसर श्रीमती विभा सोनी व श्रीमती प्रियंका पटेल, निदेशक आरसेटी श्रीमती अनामिका मल्ल, संकाय सदस्य आशीष नामदेव व श्रीमती शिखा कुशवाहा, कार्यालय सहायक गगन शर्मा, मास्टर ट्रेनर्स श्रीमती उषा जैन और प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

पब्लिक वाहन उपयोग करने के निर्देश

ईंधन बचत के लिए प्रशासन सख्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। ईंधन बचत और ऊर्जा संरक्षण को लेकर अब जिला प्रशासन ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। जारी परिपत्र के अनुसार अब जिले के अधिकारी-कर्मचारियों को सरकारी कामकाज के दौरान कार पूलिंग और सामूहिक आवागमन को प्राथमिकता देनी होगी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरसिंहपुर रजनी सिंह ने शासकीय कार्यों में ईंधन की खपत कम करने, कार्बन उत्सर्जन घटाने तथा वित्तीय अनुशासन स्थापित करने के उद्देश्य से तत्काल प्रभाव से विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि तहसील एवं ब्लॉक स्तर से जिला मुख्यालय आने वाले अधिकारी, विशेषकर साप्ताहिक समयावधि बैठकों, कानून-व्यवस्था बैठकों अथवा अन्य समन्वय बैठकों में शामिल होने के लिए अनिवार्य रूप से कार पूलिंग व्यवस्था अपनाएंगे। तहसीलदार, जनपद सीईओ और अनुविभागीय अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को एक ही वाहन से मुख्यालय पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं।

परिपत्र में कहा गया है कि एक ही मार्ग या तहसील से आने वाले अधिकारी अलग-अलग शासकीय वाहनों का उपयोग करने के बजाय आपसी समन्वय से एक ही वाहन में यात्रा सुनिश्चित करें। इससे न केवल ईंधन की बचत होगी, बल्कि वाहनों की संख्या कम होने से प्रदूषण पर भी नियंत्रण रखा जा सकेगा। जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी, जो एक ही परिसर या आसपास के क्षेत्रों में निवास करते हैं, उन्हें भी कार्यालय आने-जाने के लिए कार पुलिंग या दोपहिया वाहनों को साझा करने की आदत विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने कार्यालय आने-जाने के लिए शासकीय अथवा निजी चार पहिया वाहनों के उपयोग को सीमित करने की बात कही है। अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की गई है कि वे संभव हो तो सार्वजनिक परिवहन, साइकिल अथवा पैदल आवागमन को अपनाएं।

मैदानी दौरों के दौरान भी ईंधन बचत सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को पहले से रूट प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनमें एक ही दिशा में जाने वाले विभिन्न विभागों के निरीक्षण कार्य एक साथ पूरे किए जा सकें। परिपत्र में स्पष्ट कहा गया है कि शासकीय वाहनों का उपयोग केवल अत्यावश्यक और अधिकृत शासकीय कार्यों के लिए ही किया जाएगा। स्थानीय स्तर पर कम दूरी के कार्यों के लिए वाहनों के अनावश्यक उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है। सभी विभाग प्रमुखों को अपने अधीन शासकीय वाहनों की समय पर सर्विसिंग और

प्रदूषण नियंत्रण जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि ईंधन की खपत न्यूनतम रखी जा सके। साथ ही जिला स्तर पर समय-समय पर वाहनों की लॉग बुक और ईंधन व्यय की समीक्षा कर निर्देशों के पालन की निगरानी भी की जाएगी। जिला प्रशासन का मानना है कि छोटे-छोटे प्रयासों से न केवल सरकारी खर्च में कमी लाई जा सकती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी प्रभावी योगदान दिया जा सकता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव की ईंधन बचत और ऊर्जा संरक्षण को लेकर की गई भावपूर्ण अपील के अनुरूप कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिले में शासकीय

कार्यों में ईंधन की खपत कम करने, कार्बन उत्सर्जन घटाने और वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाली साप्ताहिक समयावधि (टीएल) बैठक, कानून-व्यवस्था बैठक तथा अन्य समीक्षा बैठकों में शामिल होने के लिए तहसील एवं ब्लॉक स्तर से आने वाले अधिकारियों को अनिवार्य रूप से कार पूलिंग का उपयोग करना होगा। एक ही मार्ग या तहसील से आने वाले अधिकारी अलग-अलग वाहनों के बजाय आपसी समन्वय से एक ही वाहन में जिला मुख्यालय पहुंचेंगे। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए हैं कि जिला मुख्यालय पर पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारी, जो एक ही परिसर या आसपास निवास करते हैं, वे कार्यालय आने-जाने के लिए कार पूलिंग या दोपहिया वाहन साझा करने की आदत विकसित करें। साथ ही चार पहिया वाहनों के स्थान पर सार्वजनिक परिवहन, साइकिल अथवा पैदल आवागमन को प्रोत्साहित किया जाए। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान अधिकारियों को इस प्रकार रूट चार्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे एक ही दिशा में स्थित विभिन्न विभागों के निरीक्षण कार्य एक ही वाहन से पूर्ण किए जा सकें। इसके अलावा शासकीय वाहनों का उपयोग केवल अति आवश्यक और अधिकृत कार्यों के लिए ही किया जाएगा तथा कम दूरी के लिए अनावश्यक उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि वे अपने अधीन वाहनों की समय-समय पर सर्विसिंग एवं प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) जांच सुनिश्चित करें, जिससे ईंधन की खपत कम की जा सके। साथ ही जिला स्तर पर वाहनों की लॉग-बुक एवं ईंधन व्यय की नियमित समीक्षा भी की जाएगी। यह परिपत्र तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है और सभी जिला प्रमुखों तथा मैदानी अधिकारियों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने ली समय सीमा की बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक आयोजित कर विभागीय योजनाओं और निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिए गए लक्ष्यों की पूर्ति समय-सीमा में करें। आयोजित बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस अभियान के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निराकरण करें। बैठक में उद्यानिकी विभाग के अंतर्गत पौधारोपण के कार्य, सूक्ष्म सिंचाई विस्तार और प्रशिक्षण के कार्यों की समीक्षा की गई। इसी प्रकार से सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने संबल 2.0 योजनांतर्गत पंजीयन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विद्युत संबंधित समस्याओं के प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करने के निर्देश दिए। जिससे गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या न हो, इसके लिए विद्युत की निरंतर सप्लाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने खराब पड़े ट्रांसफार्मरों को भी दुरुस्त करने के निर्देश दिए है।

अधिकारियों के द्वारा किया जा रहा गेहूं उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन का कार्य जिले के विभिन्न 69 खरीदी केन्द्रों में सुचारू रूप से संचालित है। जिले में 16 मई तक 21 हजार 632 किसानों से 14 लाख 61 हजार क्विंटल गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। किसानों के बैंक खाते में 190 करोड़ राशि का भुगतान किया जा चुका है। शेष गेहूँ विक्रय किसानों का भुगतान ई-उपार्जन पोर्टल के माध्यम से निरंतर प्रक्रियाधीन है। आगामी 23 मई 2026 तक गेहूं की आवक को दृष्टिगत रखते हुये जिले में पर्याप्त वारदानों की व्यवस्था कराई जा रही है। जिससे निर्बाध रूप से उपार्जन का कार्य समय-सीमा में पूर्ण हो सके। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अनुविभागीय अधिकारी दंडाधिकारी, तहसीलदार नायब तहसीलदार, उप संचालक कृषि, उपायुक्त सहकारिता, जिला आपूर्ति अधिकारी खाद्य, राजस्व, कृषि, सहकारिता, नॉन एवं वेयर हाउस के मैदानी अधिकारियों द्वारा लगातार गेहूं उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक खरीदी केन्द्रों में राजस्व एवं कृषि विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी कर्मचारियों को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

विद्या भारती लक्ष्य की प्रतिपूर्ति हिंदुत्वनिष्ठ विचारों में: विवेक शेंडे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विद्या भारती लक्ष्य की प्रथम पंक्ति में हिंदुत्वनिष्ठ विचारों को शामिल करने के पीछे सनातन वैदिक संस्कृति का वह विराट स्वरूप जो अन्य धर्मों से पहले उदित हुआ जिसमें ऐसी पीढ़ी के निर्माण की बात कही गई जो सिख धर्म गुरुओं के समान स्वाभिमानी हो तथा धर्म की भ्रांतियां तोड़कर एक सनातन के प्रति निष्ठा, श्रद्धा, विश्वास, सर्व कल्याण का भाव हो विद्यालय के वंदना सत्र में पांच आधारभूत विषयों का समायोजन हो जाता है विद्या भारती लक्ष्य निर्माण के प्रारंभिक इतिहास आंशिक संशोधन की पृष्ठभूमि को रखते हुए आपने कहा कि लक्ष्य की पूर्ति पूर्व छात्रों के कार्यक्षेत्र में नैतिकता, दया,

करुणा, संवेदनशीलता में दिखाई दे विद्यालय में रामायण महाभारत के प्रेरक प्रसंगों के साथ ही तकनीकी कौशल विकास के छोटे-छोटे आधुनिक युग के प्रेरक प्रसंगों को नवाचार के रूप में शामिल कर विद्या भारती लक्ष्य को आत्मसात किया जा सकता है उक्त उद्धार विवेक शेंडे अध्यक्ष विद्या भारती मध्य क्षेत्र द्वारा प्रांतीय शिशु वाटिका सामान्य दक्षता प्रशिक्षण वर्ग संवाद सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये अध्यक्ष पंडित रामस्वरूप शर्मा सेवानिवृत्त शिक्षक व मानस व्यास, विशिष्ट अतिथि प्रभात सिंह प्रांत व क्षेत्र शिशु वाटिका संयोजक मुख्य वक्ता श्रीमती संतोषी सोनी शिशु वाटिका प्रांत सह संयोजक, श्रीमती कुमुद रानी दुबे वर्ग संयोजक, संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी ,कार्यक्रम का संचालन कर रही प्रशिक्षक श्रीमती नेहा पाटकर व अन्य प्रशिक्षकों की उपस्थिति रही।

सांदीपनि विद्यालय में 17 दिवसीय समर कैंप का समापन, विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की प्रतिभा

गोटेगांव। शासकीय सांदीपनि विद्यालय में आयोजित 17 दिवसीय समर कैंप का समापन समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। यह शिविर 1 मई से संचालित किया जा रहा था, जिसमें विद्यार्थियों को संगीत, नृत्य और हैंडीक्राफ्ट का प्रशिक्षण दिया गया।

विधायक महेंद्र नागेश रहे मुख्य अतिथि

समापन समारोह की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक महेंद्र नागेश ने की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गायन, वादन, एकल एवं समूह नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। साथ ही कैंप के दौरान तैयार किए गए हैंडीक्राफ्ट की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

प्रशिक्षकों और विद्यार्थियों की सराहना

प्रशिक्षण कार्य स्नेहा जैन और अजय सोनेवाल द्वारा कराया गया। कैंप का संचालन माध्यमिक विभाग प्रभारी वर्षा जैन एवं प्राथमिक विभाग प्रभारी अनीता दुबे ने किया। विधायक महेंद्र नागेश ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बच्चों को अपनी समस्याएं माता-पिता, शिक्षकों और जनप्रतिनिधियों से साझा करने की सलाह दी।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मनोज कुमार जैन ने किया तथा अंत में विद्यालय प्राचार्य एस.के. सिसोदिया ने आभार व्यक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल की बैठक संपन्न, संगठन विस्तार और सामाजिक मुद्दों पर हुई चर्चा

गोटेगांव। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल की एक महत्वपूर्ण बैठक विगत दिवस गोटेगांव में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के विस्तार, वार्षिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा हिंदू समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।बैठक में मुख्य रूप से इंडिया हेल्थ लाइन के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. एल.बी. सिंह चंदेल (बिट्टू सिंह) एवं प्रांत संगठन मंत्री ओमप्रकाश उपस्थित रहे। वक्ताओं ने हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार, मंदिरों पर अतिक्रमण तथा तथाकथित 'लव जिहाद' जैसे विषयों पर चिंता व्यक्त करते हुए सामाजिक जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया।

बैठक में संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने, युवाओं को जोड़ने तथा आगामी वर्ष के लिए विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन पर चर्चा की गई। जिले भर से आए कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में जिला अध्यक्ष अंकुर पाठक ने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। बैठक में जिला अध्यक्ष संदीप पटेल, जिला महामंत्री गोपी रजक, जिला मीडिया प्रभारी अमित नामदेव, राष्ट्रीय महिला परिषद की जिला अध्यक्ष चांदनी विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष सूरज पटेल, मनोज सोनी, अंशुल गुप्ता, गोटेगांव विधानसभा अध्यक्ष राजा सोनी, राष्ट्रीय बजरंग दल विधानसभा अध्यक्ष दीपेश पटेल, विधानसभा उपाध्यक्ष राजा पटेल, जिला व्यापारी संघ अध्यक्ष मयंक जैन, करेली नगर अध्यक्ष हरिओम नामदेव, गोटेगांव नगर अध्यक्ष लोकेश दुबे सहित गाडरवाड़ा, साईंखेड़ा, चीचली, तेंदूखेड़ा, करेली, नरसिंहपुर, मुंगवानी और गोटेगांव क्षेत्र के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध कबाड़ कारोबार पर सवाल: चोरी का माल खरीदने और बाल श्रम को बढ़ावा देने के आरोप

गोटेगांव। नगर एवं जिले में अवैध रूप से संचालित हो रहे कबाड़ कारोबार को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि कई कबाड़ व्यापारी बिना लाइसेंस और बिना सत्यापन के साइकिल, मोटरसाइकिल तथा अन्य चोरी के सामानों की खरीद-फरोख्त कर रहे हैं। साथ ही नाबालिग बच्चों से कबाड़ एकत्र करवाकर उनके भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है।

बिना लाइसेंस चल रहा करोड़ों का कारोबार

जानकारों के अनुसार जिले में दो दर्जन से अधिक कबाड़ व्यवसायी सक्रिय हैं, जो सालाना करोड़ों रुपये का कारोबार करते हैं। इनमें से कई व्यवसायियों के पास आवश्यक लाइसेंस या वैध अनुमति नहीं है।

बच्चों को धकेला जा रहा मजदूरी की ओर

स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ व्यापारी नाबालिग बच्चों

से कबाड़ खरीदते हैं, जिससे बच्चे स्कूल छोड़कर कबाड़ बीनने जैसे कार्यों में लग रहे हैं। जबकि शासन सर्व शिक्षा अभियान के तहत बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, मध्यान्ह भोजन, छात्रवृत्ति, पुस्तकें और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है।

चोरी की घटनाओं को मिल रहा बढ़ावा

आरोप है कि कबाड़ी बिना पहचान सत्यापन के साइकिल, मोटरसाइकिल के पुर्जे और अन्य कीमती सामान खरीद लेते हैं। इससे चोरी की घटनाओं को बढ़ावा मिलता है। कई मामलों में चोरी की गई वस्तुओं को अलग-अलग हिस्सों में काटकर कबाड़ के रूप में बेच दिया जाता है।

प्रशासनिक कार्रवाई की मांग

नागरिकों ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि जिले में संचालित सभी कबाड़ दुकानों की जांच की जाए, लाइसेंसों का सत्यापन हो और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

विद्युत अधिकारियों के साथ विधायक ने ली समीक्षा बैठक

तेंदूखेड़ा। डोभी विगत दिवस तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आ रही विद्युत समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए विधानसभा कार्यालय रीछा विधायक निवास में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें पी के लोधी सहायक अभियंता उपसंभाग गाडरवारा तथा समस्त वितरण केंद्रों के प्रभारी कनिष्ठ अभियंता डोभी श्रीमति प्रतिभा पारधे कनिष्ठ अभियंता तेंदूखेड़ा उमेश वाल्मीकि कनिष्ठ अभियंता सिहोरा पी के धुर्वे कनिष्ठ अभियंता कोड़िया राकेश सिंह प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। बैठक में विधायक ने निर्देशित किया है कि कृषकों को शासन की मंशानुसार निर्धारित अवधि अनुसार नियमित 10 घंटे विद्युत प्रदाय सुनिश्चित किए जाने गैर कृषि श्रेणी के उपभोक्ताओं को 24 घंटे निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराई जाये।साथ ही फैल एवं जले हुए ट्रांसफार्मरों को उपलब्धता अनुसार प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र परिवर्तित किए जाने निर्बाध विद्युत व्यवस्था के प्रयोजन से आवश्यकता अनुसार मेंटेनेंस कार्य कराने एवं आर डी एसएस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन प्रगति एवं मैदानी स्तर पर आने वाली समस्याओं के निराकरण संबंधी बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।बैठक के दौरान समस्त वितरण केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा विद्युत प्रदाय व्यवस्था को सुचारु एवं व्यवस्थित बनाए रखने हेतु आवश्यक कार्यवाही सतत रूप से की जाए।

ट्रांसफार्मर में लगी आग नागरिकों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

तेंदूखेड़ा। भामा रोड स्थित एक विद्युत ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी के चलते अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने आस पास उगी सूखी झाड़ियों और घास फूस को अपनी चपेट में ले लिया जिससे मौके पर अफरा तफरी मच गई। इस दौरान आसपास के स्थानीय नागरिकों ने गजब की सूझबूझ दिखाई। लोगों ने बिना वक्त गंवाए तुरंत विद्युत विभाग को सूचित किया और खुद रेत मिट्टी व सुरक्षित संसाधनों की मदद से आग बुझाने में जुट गए। नागरिकों के इस त्वरित प्रयास से आग पर काबू पा लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना के बाद

स्थानीय नागरिकों उपभोक्ताओं ने विद्युत अधिकारियों से मांग की है कि सुरक्षा के लिहाज से भामा सड़क मार्ग और डोला रोड सहित पूरे तेंदूखेड़ा क्षेत्र के ट्रांसफार्मरों के आसपास नियमित साफ सफाई कराई जाए। गर्मी में स्पार्किंग की आशंका बढ़ जाती है और जर्जर केबिल लाइन के तार अधिक गर्मी और विद्युत भार के चलते जहां तहां जलने आग लगने की घटनाएं घटित हो रही हैं।इसलिए झाड़ियों की छंटाई बेहद जरूरी है। वहीं सूचना के बाद पहुंचे विभागीय अमले ने सुधार कार्य शुरू किया तब कहीं स्थिति सामान्य हो पाई। और विद्युत व्यवस्था सुचारू हो सकी।